



श्रेणी: दसवीं (भूगोल) सामाजिक अध्ययन



पाठ 6: विनिर्माण उद्योग

कई लोग चुनते हैं:-

(क) निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग चूना पत्थर का प्रसंस्करण करता है?

- (i) एल्युमिनियम (iii) प्लास्टिक उत्तर:- सीमेंट (ii) सीमेंट (iv) ऑटोमोबाइल

(ii) निम्नलिखित में से कौन भौतिक जगत के अस्तित्व का प्रमाण प्रदान करता है?

- (i) ओलावृष्टि (ii) सेल (iii) टाटा स्टील (iv) एमएनसीसी

उत्तर- सेल

(iii) निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग आधार माना जाता है?

- (i) एल्युमीनियम शोधन (ii) सीमेंट निर्माण

- (iii) कागज बनाना (iv) इस्पात

उत्तर- अमोनियम नाइट्रेट

(iv) निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग टेलीफोन, लैपटॉप आदि का निर्माण करता है?

- (i) इस्पात (iii) (ii) एल्युमीनियम शोधन

- इलेक्ट्रॉनिक्स (iv) सूचना प्रौद्योगिकी

उत्तर:- इलेक्ट्रॉनिक

(v) निर्माण क्षेत्र को भूमि का ----- कहा जाता है।

- (i) मानसिक स्वास्थ्य (ii) रीढ़ की हड्डी उत्तर- रीढ़ की हड्डी (iii) शक्ति (iv) चमड़ा

(vi) भारत सरकार मेगा फूड पार्क क्यों नहीं बनाए गए?

- (i) 40 (ii) 42 (iii) 45 (iv) 48

उत्तर:-42

(vii) बी.एच.ई. का पूरा नाम क्या है?

- (i) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

- (ii) भारत हीट एंड एनर्जी लिमिटेड

- (iii) भोपाल-हैदराबाद एनर्जी लिमिटेड (iv) कोई नहीं नॉर्थ

इंडिया इलेक्ट्रिसिटी

लिमिटेड

(vii) चीनी उद्योग एक ----- उद्योग है।

- (i) कच्चा माल आधार (iii) भारी (ii) कृषि आधार

- और लकड़ी उद्योग (iv) कोई नहीं

उत्तर - क्षेत्र अन्याय

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए:-

(i) निर्माण का मूल्य क्या है?

उत्तर:- वे उद्योग जो किसी भी प्रकार की वस्तु को अधिक मूल्यवान और वांछनीय उपभोक्ता वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं।

इन्हें मनोरंजन उद्योग कहा जाता है।

(ii) आप उद्योग के स्थिरीकरण के कारणों का उल्लेख करना क्यों नहीं भूलते?

उत्तर - किसी उद्योग के स्थिरीकरण के लिए कई बुनियादी सिद्धांतों पर विचार किया जाता है। जैसे:-

1. वस्तुएँ 2. भूमि 3. ऊर्जा संसाधन

(ii) यदि आप उद्योग की स्थापना से सहमत नहीं हैं तो कंपनी का नाम लिखें?

उत्तर:- विनिर्माण उद्योग स्थापित करने के तीन मुख्य कारण इस प्रकार हैं:-

1. गिरमिटिया और बंधुआ मजदूर 2. पूंजीवाद (iv) क्या बड़े उद्योग भी होते

3. मिट्टी

हैं? उदाहरण दीजिए।

उत्तर - ऐसे उद्योग जो ऐसी सामग्री या वस्तुओं का निर्माण करते हैं जिनका उपयोग अन्य विनिर्माण उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

इन्हें प्राथमिक उद्योग कहा जाता है। जैसे लौह ढलाई उद्योग, लोहा और इस्पात उद्योग, तांबा

रिफाइनरी उद्योग, एल्युमीनियम उद्योग। (v) सीमेंट बनाने के लिए

आवश्यक सामग्री के बारे में जानते हैं?

उत्तर:- चूना पत्थर का उपयोग सीमेंट बनाने में किया जाता है। चूना पत्थर भारत के लगभग सभी राज्यों में पाया जाता है। इसके प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में मध्य प्रदेश, राजस्थान,

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। (vi) उद्योगों का वर्गीकरण उत्तर:- उद्योगों के वर्गीकरण का मूल आधार निम्नलिखित है:-

क्या कोई झूठा आधार है?

1. श्रम और पूंजी के आधार पर 3. स्वामित्व

2. छोटी मात्रा के आधार पर

के आधार पर

4. कच्चे माल के स्रोत के आधार पर

5. घातक

(vii) उद्योगों का पंजीकरण किस आधार पर किया जाना चाहिए?

उत्तर - कच्चा माल के आधार पर उद्योग दो प्रकार के होते हैं - भारी उद्योग और हल्के उद्योग। इनका वर्णन इस प्रकार है:-

1. भारी उद्योग - ये वे उद्योग हैं जो भारी कच्चे माल का उपयोग करके भारी उत्पाद बनाते हैं। इसमें

लोहा एवं इस्पात उद्योग भी इसमें शामिल है।

2. हल्के उद्योग:- ये उद्योग सस्ते कच्चे माल, जैसे बिजली, का उपयोग करके हल्के सामान बनाते हैं।

सामान और बल्ब आ गए।

(viii) भारत का सबसे उत्तरी औद्योगिक क्षेत्रों के नाम क्या हैं?

क्षेत्र:- 1. मुंबई-पुणे औद्योगिक क्षेत्र 3. बेंगलोर-

2. एच स्ट्रीट औद्योगिक क्षेत्र

तमिलनाडु औद्योगिक क्षेत्र

4. गजरात औद्योगिक क्षेत्र

5. छोटा नागपुर औद्योगिक क्षेत्र 7.

गरगांव-मधुल्ली-मेरठ औद्योगिक क्षेत्र

6. मावसखापत्तनम-गिन्दूर औद्योगिक क्षेत्र 8.

कोल्लम-मातृविन्त्रम औद्योगिक क्षेत्र

(ix) खाद्य प्रसंस्करण का उद्देश्य क्या है?

उत्तर - खाद्य प्रसंस्करण की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से है:-

1. भोजन को बाद में उपयोग के लिए संरक्षित करना।
2. मानव उपभोगके लिए अनुपयुक्त सामग्री को साफ करना।
3. नकारात्मक भावनाओं को खत्म करना।
4. उपयोगकर्ता की इच्छा के अनुसार अनुकूलन करना।
5. भोजन को विभिन्न आकारों में लपेटना।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 120 शब्दों में दीजिए:-

(i) क्या तेल में स्टील और गैर-स्टील के बीच कोई अंतर है?

उत्तर - तेल में इस्पात बनाने की विधि इस प्रकार है:-

सूरज चमक रहा है।	नींबू स्टील नहीं है.
1. इस्पात मिलें बड़ी फैक्ट्रियाँ हैं, जो लोहा एवं इस्पात उद्योग भी इसमें शामिल है।	1. मिनी स्टील मिलें छोटे पैमाने की स्टील मिलें हैं। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जो बिजली और बल्ब बनाते हैं। उद्योग शामिल है।
2. इन कारखानों में बहुत सारी पूंजी निवेश की जाती है।	2. इन कारखानों में थोड़ी पूंजी निवेश की जाती है।
3. ये कारखाने भारी उद्योगों से जुड़े हैं।	3. ये कारखाने हल्के उद्योगों से जुड़े हैं।
4. इन कारखानों में श्रमिकों की संख्या बढ़ रही है। उसे नौकरी मिल जाती है।	4. इन कारखानों में श्रमिकों की संख्या कम है। यह हिन्दी है।

(ii) उद्योगों के सामने क्या चुनौतियाँ हैं?

उत्तर:- उद्योगों के सामने आने वाली चुनौतियों की रणनीति इस प्रकार है:-

1. उच्च स्तर पर पूंजी की कमी
2. नवीनतम तकनीक का अभाव।
3. उच्च लागत के बावजूद कम उत्पादकता।
4. सरकारी संस्थाओं के प्रति जागरूकता का अभाव।
5. इस्पात इकाइयों का पूर्ण उपयोग करने में असमर्थता।
6. शुद्ध कोयले की भारी मांग।
7. उत्पादों की निम्न गुणवत्ता।
8. भारी मिंग.
9. इस्पात मिलों पर भारी कर्ज।
10. चीन, कोरिया और अन्य देशों के साथ स्वेच्छिक व्यापार।

(iii) देश में निर्माण स्थल पर आने वाली छह पैरों वाली, दो पैरों वाली और एक पैर वाली लड़कियों की क्या स्थिति है?

उत्तर:- 1. वैश्वीकरण के प्रभाव ने हमारे उद्योगों को भी अधिक प्रतिस्पर्धी एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना प्रदान की है, जिससे

देश में निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिला है।

2. सरकारों ने निर्माण उद्योगों को अधिक उत्पादक बनाने के लिए सस्ती दरें और विशेष बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कीं।
किया गया है।
3. विदेशी पूंजीपतियों के तेजी से निवेश और सरकारों द्वारा उदारीकरण की नीतियों को अपनाने के कारण, भारतीय उद्योग निर्माण कार्य और भी रोमांचक हो गया।
4. उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकारों ने जगह-जगह अनुसंधान केंद्र खोले हैं।

5. हरित क्रांति के बाद कृषि में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

6. सरकारों द्वारा पिछड़े क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों में भी औद्योगिक विकास किया गया है।

(iv) उद्योग डेटा का उपयोग कैसे करते हैं?

उत्तर: उद्योगों ने निस्संदेह भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास और वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन इसके साथ ही,

इससे भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और पर्यावरण मानकों में गिरावट भी होती है।

उद्योग चार प्रकार के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं:-

1. वायु या वायु प्रदूषण:- वायु प्रदूषण सल्फर डाइऑक्साइड या कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अवांछित गैसों का उत्सर्जन है।

कवक की वृद्धि के कारण सुगंधित हवा फैलती है।

2. जल या वायु प्रदूषण:- जल या जल प्रदूषण उद्योगों द्वारा पर्यावरण में कार्बनिक और अकार्बनिक अपशिष्टों का उत्सर्जन है।

ऐसा आत्म-दया के कारण होता है।

3. भूमि या मृदा प्रदूषण:- सीसा, जहरीले रसायन, औद्योगिक अपशिष्ट, पैकेजिंग सामग्री, नमक और

शहर में आने वाला कूड़ा-कचरा शहर में मिलकर शहर को प्रदूषित करता है।

4. शोर या ध्वनि प्रदूषण:- शोर या ध्वनि प्रदूषण लोगों के मन में तनाव पैदा करता है।

अवसाद को बढ़ाने के अलावा, यह हृदय गति को भी बढ़ाता है, रक्त परिसंचरण को तेज करता है, और मानसिक बीमारियों का आधार बनता है।

(v) प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए उद्योगों द्वारा क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर:- 1. उसी पानी को जल पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग के माध्यम से पुनः उपयोग किया जाना चाहिए।

2. ताजा पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए।

3. जल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्षा जल का प्रबंधन और संरक्षण किया जाना चाहिए।

4. भारत से आने वाले गर्म पानी को नदियों या झीलों में छोड़ने से पहले शुद्ध किया जाना चाहिए।

5. कारखानों में कोयले के स्थान पर तेल और गैस का उपयोग करने से भी धुआँ कम हो सकता है।

6. वायु में छोड़े गए प्रदूषकों को इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर, फैंब्रिक फिल्टर और अन्य तकनीकों का उपयोग करके हटाया जाता है।

हवा को साफ़ किया जा सकता है।

7. ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए शांत मशीनरी डिजाइन की जा सकती है।

(vi) भारत के सूती कपड़ा उद्योग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें?

उत्तर:- कपड़ा उद्योग का भारत की अर्थव्यवस्था में एक मूल्यवान स्थान है क्योंकि यह उद्योग उत्पादन, रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

यह धन कमाने में हिंद महासागर के पक्षियों से भी अधिक योगदान देता है। प्राचीन काल से ही हाथ से सूत कातकर सूती कपड़ा बनाया जाता रहा है।

और इसका निर्माण हाथ-करघा बुनाई तकनीक का उपयोग करके किया जा रहा है। शुरुआती वर्षों में, महाराष्ट्र में सूती वस्त्र उद्योग

और देही की स्थापना गुजरात के कपास उत्पादक क्षेत्र में हुई। इसका मुख्य कारण यहाँ उपलब्ध सुविधाएँ थीं, जैसे

कपास की उपलब्धता, बाज़ार की सुविधा, परिवहन के साधन और कारीगरों की उपलब्धता। भारत जापान को

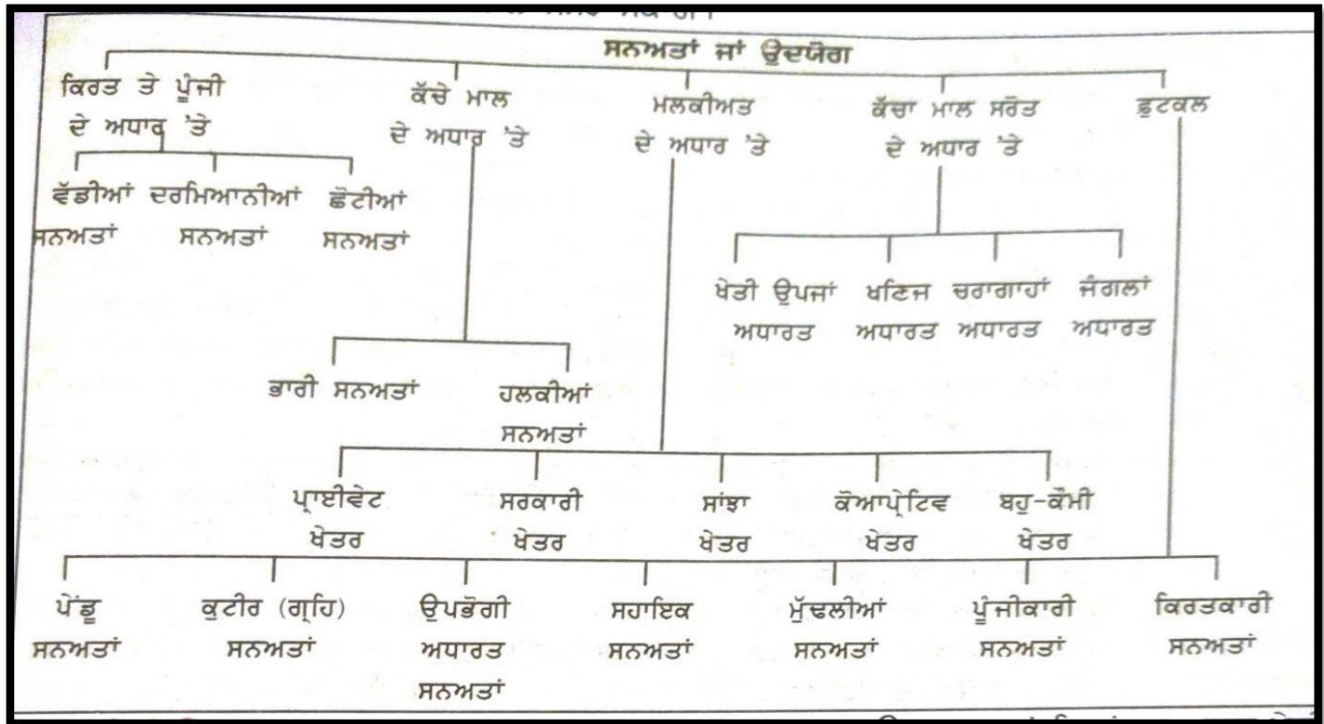
कपास का आयात करता है। भारत से कपास आयात करने वाले अन्य देश हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम,

रूस, फ्रांस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका, पूर्वी यूरोपीय देश और अफ्रीकी देश भी इसमें शामिल हैं। सूत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत की बहुत प्रतिष्ठा है। भारतीय कताई मिलें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं और देश में सभी प्रकार के धागे का उत्पादन होता है।

धागा उपयोगी है। भारत के उच्च-गुणवत्ता वाले तेल-अंकुरित कपास ने पिछले कुछ वर्षों में धागे के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की है, लेकिन अभी भी आयात की आवश्यकता है।

(vii) भारतीय उद्योगों के विकास का एक प्रवाह चार्ट बनाइए। उत्तर:-



(viii) निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखें:-

(क) उर्वरक उद्योग:- देश का उर्वरक उत्पादन उद्योग अधिकांशतः नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों पर आधारित है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण है- यूरिया।

फॉस्फोरिक उर्वरक, अमोनियम सल्फेट और मिश्रित उर्वरक नाइट्रोजन, फॉस्फेट और पोटेशियम का मिश्रण होते हैं।

भारत को अपना सारा पोटाश आयात करना पड़ता है क्योंकि देश में किसी भी प्रकार का पोटाश भंडार नहीं है।

देश में 'हरित क्रांति' के बाद यह उद्योग काफी फला-फूला है। गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल

वे देश की लगभग पूरी फसल का उत्पादन करते हैं। अन्य महत्वपूर्ण उत्पादक राज्य हैं: आंध्र प्रदेश, उड़ीसा,

राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल, गोवा, मध्य प्रदेश, मध्य प्रदेश और कर्नाटक।

(ख) समुद्री जहाज निर्माण उद्योग:- समुद्री जहाज या समुद्र में जाने वाला जहाज पानी पर परिवहन का एक साधन है जो

दुनिया भर के महासागरों, समुद्रों और गहरे समुद्री मार्गों पर, यात्रियों और माल को ले जाते हुए, या हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा करते हुए।

मछली पकड़ने, अनुसंधान, मछली पकड़ने जैसे कामों के लिए आय। देश के विदेशी या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का लगभग 90%

समुद्र तक केवल जहाजों के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है। जिसके कारण यह समुद्री परिवहन देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाता है।

भारतीय नौसेना के जहाजों का निर्माण मध्य युग से ही चल रहा है, जब भारतीय नौसेना द्वारा पहले नौसैनिक जहाजों को कमीशन किया गया था।

इन जहाजों का निर्माण जिंग के रथों जैसी ही भावना से किया गया था। नौसैनिक जहाज निर्माण क्षमता के मामले में भारत एशिया में दूसरे स्थान पर है।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड केरल की सबसे बड़ी समुद्री जहाज निर्माण और रखरखाव कंपनी है।

भारतीय समुद्री जहाज निर्माण उद्योग की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियाँ:-

1. भारतीय शिपिंग निगम, मुंबई
2. महिन्दोस्तान मशूपयार्ड मल्लमटाड, मवासखापत्तनम
3. कोचीन मैशपयार्ड मल्लमटाड, कोचीन
4. ड्राम्सिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मवासखापत्तनम
5. हुगली डॉक एंड पोर्ट इंजीनियर्स लिमिटेड, कोलकाता
6. केंद्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन निगम लिमिटेड, कोलकाता
7. एक अन्य बंदरगाह चीन में स्थित है।

(ग) मेगा फूड पार्क:- मेगा फूड पार्क योजना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है।

कार्यक्रम। इस योजना के अंतर्गत मिंग के आधार पर प्रसंस्कृत खाद्य की सतत आपूर्ति का एक मॉडल तैयार किया जाता है।

सरकार ने देश भर में 42 मेगा फूड पार्क स्थापित करने की अनुमति दे दी है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य

इससे प्रसंस्करण क्षेत्र में एक संतुलित और सुव्यवस्थित संरचना बनेगी और इससे इस क्षेत्र का और अधिक विकास होगा।

पंजाब में, मध्य प्रदेश में पंजाब एग्रीडिस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से एक मेगा फूड पार्क है।

की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य गैर-कृषि उद्योगों को प्रोत्साहित और समर्थन देना है। यहाँ दो और उदाहरण दिए गए हैं

जिले और फगवाड़ा में पार्क भी स्थापित किए गए हैं।

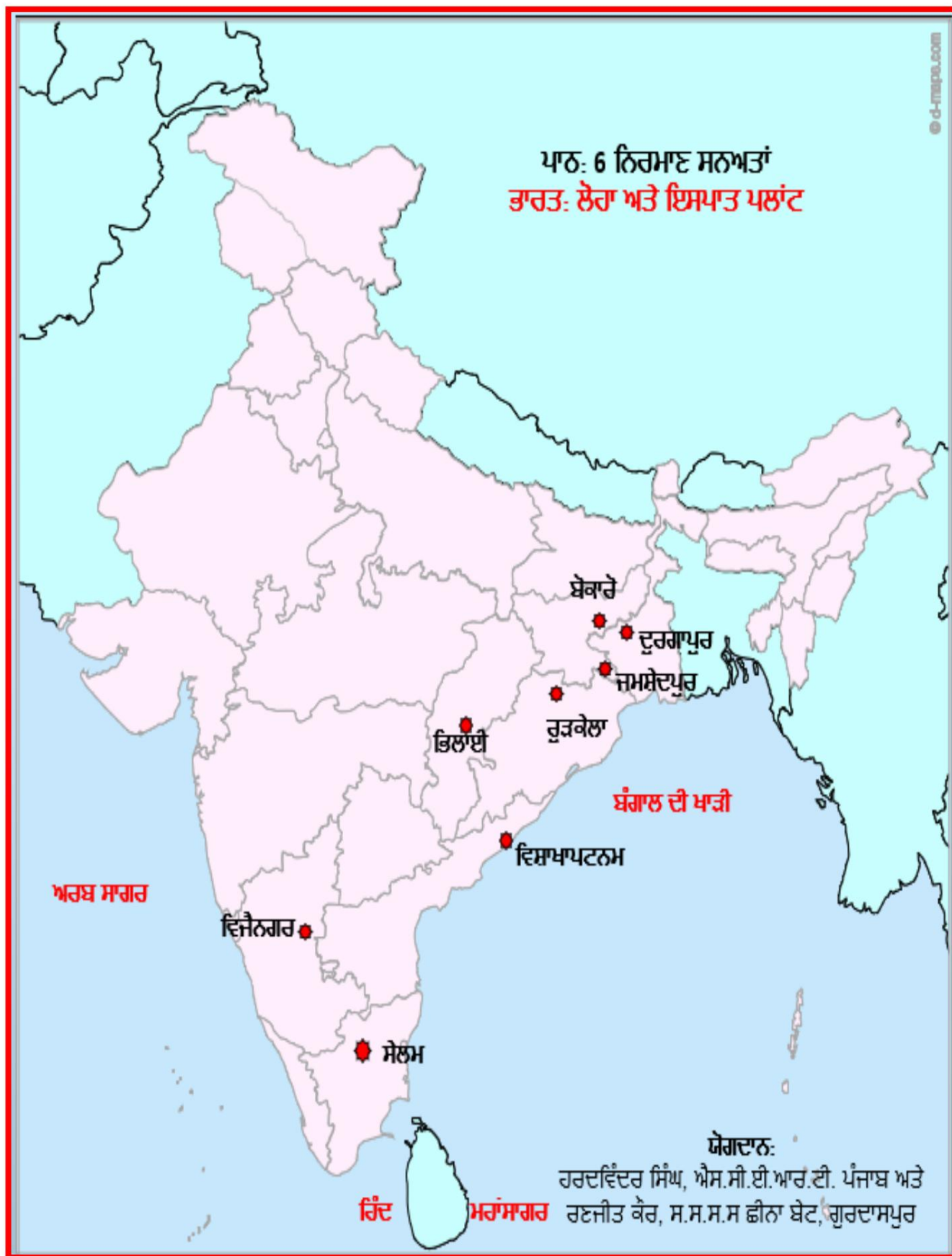
(ग) उद्योगों के समक्ष चुनौतियाँ -

- | | |
|---|---|
| 1. उच्च स्तर पर पूँजी का अभाव। | 2. नवीनतम तकनीक का अभाव। |
| 3. उच्च लागत के बावजूद कम उत्पादकता। | 4. सरकारी संस्थाओं के प्रति जागरूकता का अभाव। |
| 5. इस्पात इकाइयों का पूर्ण उपयोग करने में असमर्थता। | 6. शुद्ध कोयले की भारी मांग। |
| 7. उत्पादन का निम्न स्तर। | 8. भारी मिंग। |
| 9. इस्पात मिलों का भारी कर्ज। | 10. चीन, कोरिया और अन्य देशों के साथ स्वेच्छिक व्यापार। |

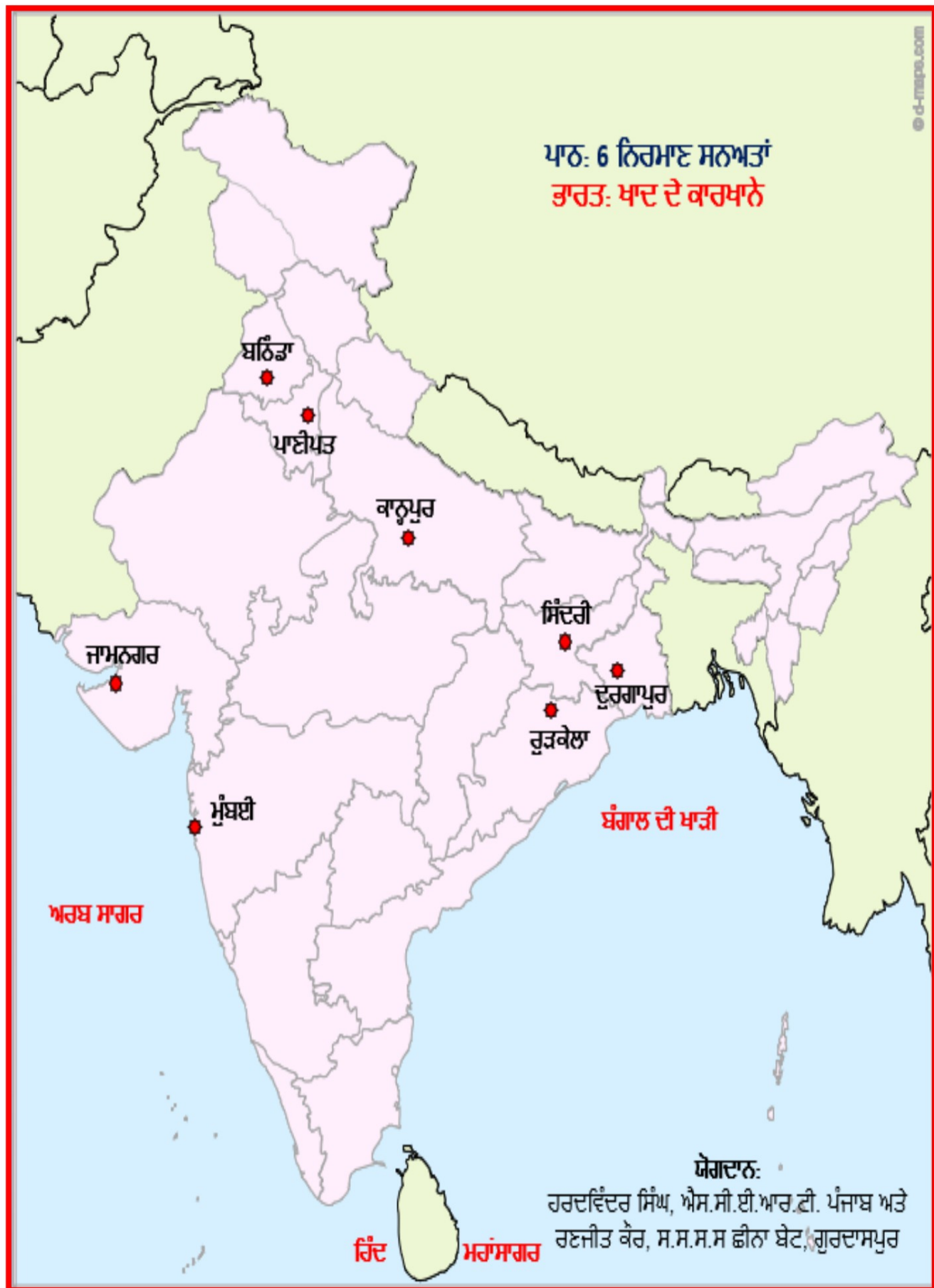
ਨਿਸ਼ਾ ਵਰਜ

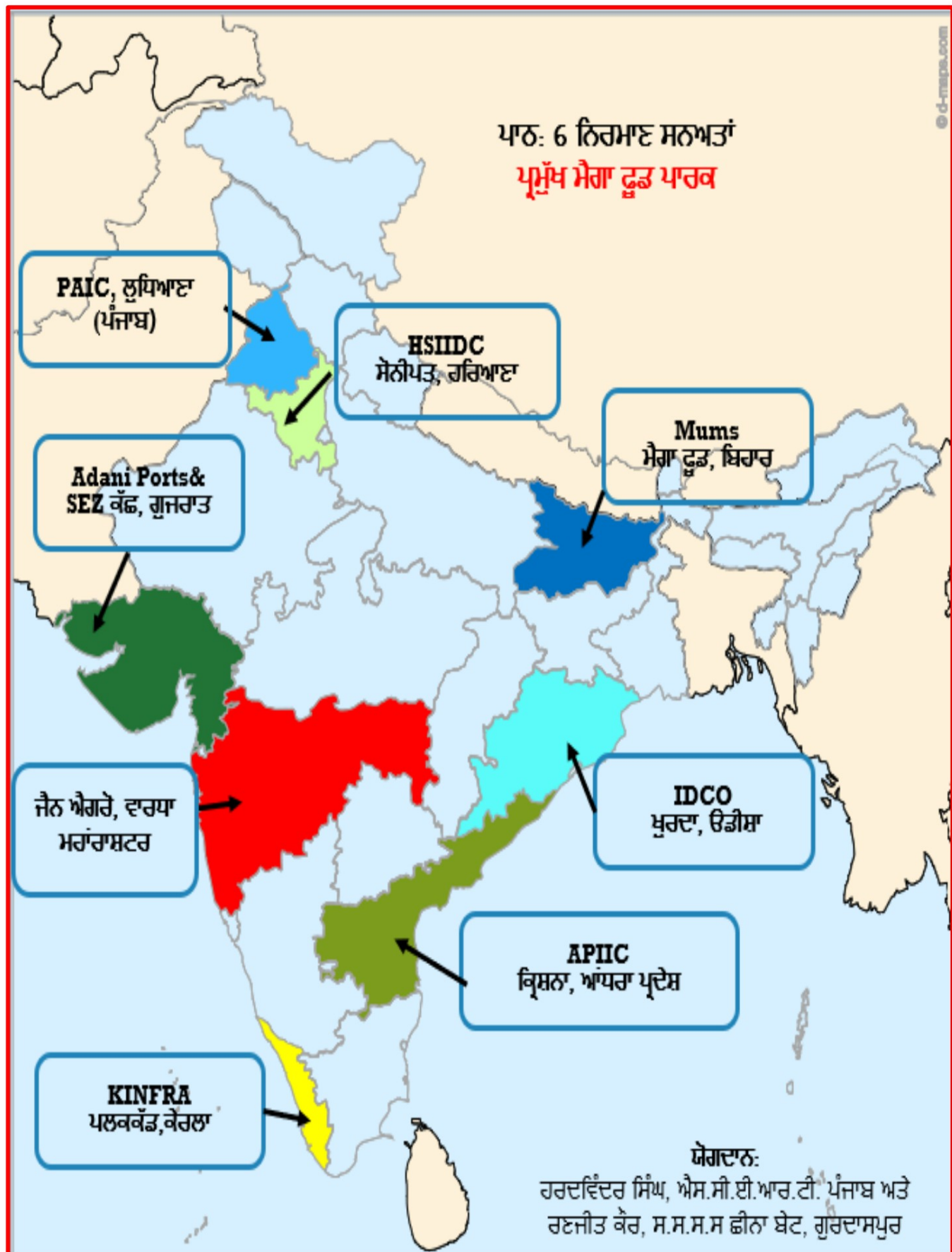
© d-maps.com

ਪਾਠ: 6 ਨਿਰਮਾਣ ਸਨਅਤਾਂ
ਭਾਰਤ: ਲੋਹਾ ਅਤੇ ਇਸਪਾਤ ਪਲਾਂਟ









ACTIVITY

आपकी राय में, यह एक क्षेत्रीय अन्याय है और यह औद्योगिक इकाई में एक क्षेत्रीय अन्याय है।

1. कागज़ के प्रत्येक टुकड़े का मूल्य क्या है? 2. उत्पादन प्रक्रिया में और क्या उपयोग होता है जिसे प्रसंस्करण के लिए उत्पाद कॉलम में भेजा जाता है?

एस

3. क्या इकाइयां नियमों का पूर्णतः अनुपालन करती हैं?

मध्य प्रदेश पंजाब का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यहाँ कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के उद्योग अच्छी तरह विकसित हैं। इनका वर्णन इस प्रकार है: कृषि गैर-कृषि उद्योग

- फलों और सब्जियों का प्रसंस्करण

1. शब्द का अर्थ क्या है-

• फल और सब्जियां - आम, अनानास, टमाटर, आलू, गाजर का आयात। • अन्य कच्चे माल - मसाले, नमक, मसाले, सरसों, सरसों के तेल का आयात।

2. निर्माण कार्य निम्नलिखित तरीकों से किया जाता है:

• ऊर्जा - उच्च तापमान वाले उपकरणों/मशीनों के लिए आवश्यक बिजली या गैस। • श्रम - शारीरिक श्रम। • पैकेजिंग सामग्री - डिब्बे, बोतलें, लेबल, कैन आदि।

• परिवहन - उत्पादों की आवाजाही के लिए परिवहन और हैंडलिंग की लागत।

3. खेल के नियम -

• अपशिष्ट उपचार संयंत्र - यह एक प्रकार का संयंत्र है जो उद्योगों से अपशिष्ट को हटाता है। यह अपशिष्ट को साफ करता है और उसे पर्यावरण में छोड़ने के लिए उपयुक्त बनाता है। • ठोस अपशिष्ट प्रबंधन - अपशिष्ट का उचित निपटान। • वायु गुणवत्ता - उत्पादन के दौरान उत्सर्जित निकास गैसों की निगरानी।

अलौह धातु उद्योग - इस्पात उत्पादन (उदाहरण: टाटा स्टील, ला मध्याना)

1. शब्द का अर्थ क्या है -

• लौह स्क्रेप: मुख्य रूप से लोहे में उपयोग किया जाता है।

- फ्लक्सिंग एजेंट: ये वे रसायन या पदार्थ हैं जिनका उपयोग धातु को पिघलाने के लिए किया जाता है।
इनका उपयोग अशुद्धियों को दूर करने या पिघलने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए किया जाता है।
चूना पत्थर, जो धातुओं को साफ करने में मदद करता है।

2. आगामी दिनों में निर्माण कार्य पूराहोने की उम्मीद है:

- ऊर्जा: इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस के लिए बड़ी मात्रा में बिजली।
- श्रमिक: तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारी।
- पैकेजिंग और परिवहन: तैयार उत्पादों की पैकेजिंग और वाइंडिंग।

3. खेल के नियमों का अनुपालन:

- धुआँ निगरानी: भगोड़ा उत्सर्जन की निगरानी। (भगोड़ा उत्सर्जन)
उत्सर्जन वे गैसें या धुएँ हैं जो किसी उद्योग या कारखाने से बिना नियंत्रण उपकरणों (जैसे
(चिमनी या पाइप) रुक-रुक कर लीक करता है।)
- ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन: उत्पादन के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट का उचित प्रबंधन।
- पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट - हर छह महीने में पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मध्य प्रदेश में कृषि और खनन उद्योग दोनों ही फल-फूल रहे हैं और पर्यावरण नियमों का पालन करते हैं।

इन उद्योगों में विनिर्माण प्रक्रिया में ऊर्जा, श्रम, पैकेजिंग और परिवहन जैसे घटक शामिल हैं।

जो उत्पाद की कीमत में जोड़े जाते हैं।

नोट: उपरोक्त गतिविधियाँ केवल शिक्षकों/छात्रों के मार्गदर्शन के लिए बनाई गई हैं। शिक्षक भी अपनी समझ, सुविधा और तकनीक की मदद से इन गतिविधियों को हल कर सकते हैं। उपरोक्त तथ्यों/चित्रों/जानकारी तक पहुँचने के लिए Google/Wikipedia Commons/Chat GPT का उपयोग किया गया है।

योगदास: हरदमविंदर मसिंह (राज्य संसाधन व्यक्ति सामाजिक विज्ञान) एससीईआरटी; पंजाब, (पंजाब) एम.सी.ए.आर.टी; पंजाब,
रणजीत कौर (व्याख्याता इतिहास) एस.एस.एस. स्कूल छीना बेटे, गार्डसपुर और
मेनदीप कौर (एस.एस. मालिकम) एस.के.एस.एस.एस. दाखा, एल. मधाना।